QUESTION AND ANSWERS :

मौखिक

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए

Answer the following questions in one or two lines

1. कथा नायक की रुचि किन कार्यों में थी?

   In what works was the protagonist of the story interested?

Ans. कथा नायक की रूचि खेल कूद, कँकरियाँ उछालने, गप्पबाजी करने, कागज़ की तितलियाँ बनाने, उड़ाने, उछलकूद करने, चार दीवारी पर चढ़कर नीचे कूदने, फाटक पर सवार होकर उसे मोटर कार बना कर मस्ती करने में थी क्योंकि उसका मन पढ़ाई में नहीं लगता था।

2. बड़े भाई साहब छोटे भाई से हर समय पहला सवाल क्या पूछते थे?

   What was the first question the elder brother always asked the younger brother?

Ans. बड़े भाई छोटे भाई से हर समय एक ही सवाल पूछते थे-कहाँ थे? उसके बाद वे उसे उपदेश देने लगते थे।

3. दूसरी बार पास होने पर छोटे भाई के व्यवहार में क्या परिवर्तन आया?

   What was the change in the behavior of the younger brother when he passed for the second time?

Ans. दूसरी बार पास होने पर छोटे भाई के व्यवहार में यह परिवर्तन आया कि वह पहले की अपेक्षा कुछ ज्यादा ही स्वच्छंद और मनमानी करनेवाला बन गया था।

4. बड़े भाई साहब छोटे भाई से उम्र में कितने बड़े थे और वे कौन-सी कक्षा में पढ़ते थे?

   How older was the elder brother than the younger brother and in which class did he study?

Ans. बड़े भाई साहब छोटे भाई से पाँच साल बड़े थे और वे छोटे भाई से चार दर्जे आगे अर्थात् नौवीं कक्षा में थे और छोटा भाई पाँचवीं कक्षा में था।

5. बड़े भाई साहब दिमाग को आराम देने के लिए क्या करते थे?

What did elder brother do to give rest to the mind?

Ans. बड़े भाई साहब दिमाग को आराम देने के लिए कभी कॉपी पर तो कभी किताब के हाशियों पर चिड़ियों, कुत्तों, बिल्लियों के चित्र बनाते थे। कभी-कभी वे एक शब्द या वाक्य को अनेक बार लिख डालते, कभी एक शेर-शायरी की बार-बार सुन्दर अक्षरों में नक़ल करते। कभी ऐसी शब्द रचना करते, जो निरर्थक होती, कभी किसी आदमी का चेहरा बनाते थे।

लिखित

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (25-30 शब्दों में) लिखिए-

Answer the following questions (in 25-30 words)-

1. छोटे भाई ने अपनी पढ़ाई का टाइम-टेबिल बनाते समय क्या-क्या सोचा और फिर उसका पालन क्यों नहीं कर पाया?

What did the younger brother think while making the time-table of his studies and then why could he not follow it?

Ans. छोटे भाई ने अपनी पढ़ाई का टाइम - टेबल बनाते समय सोचा कि वह मन लगाकर पढ़ाई करेगा और अपने बड़े भाई को कभी शिकायत का कोई मौका नहीं देगा। सुबह छः से रात ग्यारह बजे तक सभी विषयों को पढ़ने का कार्यक्रम रखा गया। परन्तु पढ़ाई करते समय खेल के मैदान,वॉलीबॉल की तेजी, कबड्डी और गुल्ली -डंडे का खेल उसे अपनी ओर खींचते थे इसीलिए वह टाइम टेबल का पालन नहीं कर पाया।

2. एक दिन जब गुल्ली -डंडा खेलने के बाद छोटा भाई बड़े भाई साहब के सामने पहुंचा तो उनकी क्या प्रतिक्रिया हुई ?

One day when the younger brother reached in front of the elder brother after playing Gulli-Danda, what was his reaction?

Ans. एक दिन जब गुल्ली डंडा खेलने के बाद छोटा भाई बड़े भाई के सामने पहुंचा तो उनकी प्रतिक्रिया बहुत भयानक थी। वह बहुत गुस्से में थे। उन्होंने छोटे भाई को डांटते हुए कहा कि प्रथम दर्जे में पास होने का उसे घमण्ड हो गया है और घमण्ड के कारण रावण जैसे शक्तिशाली को भी ले डूबा इसलिए उसे इसी तरह समय बर्बाद करना है तो उसे घर चले जाना चाहिए। उसे पिता की मेहनत की कमाई को यूँ खेल कूद में बर्बाद करना शोभा नहीं देता नहीं है। बड़े भाई ने छोटे भाई को गुल्ली - डंडा खेलने के बजाये पढ़ाई में ध्यान देने की नसीहत दी।

Brainbox Learn easy

3. बड़े भाई साहब को अपने मन की बात क्यों दबानी पड़ती थी?

Why did the elder brother have to suppress his mind?

Ans. बड़े भाई साहब बड़े होने के नाते यही चाहते और कोशिश करते थे कि वे जो कुछ भी करें, वह छोटे भाई के लिए एक उदाहरण का काम करे। उन्हें अपने नैतिक कर्तव्य का वोध था कि स्वयं अनुशासित रह कर ही वे भाई को अनुशासन में रख पाएँगे। इस आदर्श तथा गरिमामयी स्थिति को बनाए रखने के लिए उन्हें अपने मन की इच्छाएँ दबानी पड़ती थीं।

4. बड़े भाई साहब छोटे भाई को क्या सलाह देते थे और क्यों?

What advice did the elder brother give to the younger brother and why?

Ans. बड़े भाई साहब छोटे भाई साहब को हमेशा पढ़ाई के लिए परिश्रम की सलाह देते थे। उनके अनुसार एक बार कक्षा में अव्वल आने का तात्पर्य यह नहीं कि हर बार वह ही अव्वल आए। घमंड और जल्दबाजी न करते हुए उसे अपनी नींव मजबूती की ओर ध्यान देना चाहिए। अत: पढ़ाई के लिए सतत अध्ययन, खेल कूद से ध्यान हटाना तथा मन की इच्छाओं को दबाना आदि सलाह वे समय-समय पर देते रहते थे।

5. छोटे भाई ने बड़े भाई साहब के नरम व्यवहार का क्या फायदा उठाया?

What advantage did the younger brother take of the elder brother's soft behavior?

Ans. छोटे भाई ने बड़े भाई साहब के नरम व्यवहार का अनुचित फ़ायदा उठाया, जिससे उसकी स्वच्छंदता बढ़ गई और उसने पढ़ना-लिखना बंद कर दिया। उसके मन में यह भावना बलवती हो गई कि वह पढ़े या न पढ़े परीक्षा में पास अवश्य हो जाएगा। इतना ही नहीं, उसने अपना सारा समय पतंगबाज़ी को ही भेंट कर दिया।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (50 -60) शब्दों में लिखिए –

Answer the following questions in (50 -60) words:

1. बड़े भाई की डाँट फटकार अगर ना मिलती, तो क्या छोटा भाई कक्षा में अव्वल आता? अपने विचार प्रकट कीजिए।

If the scolding of the elder brother had not been received, would the younger brother have stood first in the class? Express your views.

Ans. मेरे विचार में यह सच है कि अगर बड़े भाई की डाँट-फटकार छोटे भाई को न मिलती, तो वह कक्षा में कभी भी अव्वल नहीं आता। यद्यपि उसने बड़े भाई की नसीहत तथा लताड़ से कभी कोई सीख ग्रहण नहीं की, परंतु उसपर अप्रत्यक्ष रूप से प्रभाव गहरा पड़ता था, क्योंकि छोटा भाई तो खे-प्रवृत्ति का था। बड़े भाई की डाँट-फटकार की ही भूमिका ने उसे

कक्षा में प्रथम आने में सहायता की तथा उसकी चंचलता पर नियंत्रण रखा। मेरे विचार से बड़े भाई की डाँट-फटकार के कारण ही छोटा भाई कक्षा में अव्वल अता था अर्थात् बड़े भाई की डाँट-फटकार उसके लिए वरदान सिद्ध हुई।

2. इस पाठ में लेखक ने समूची शिक्षा के किन तौर-तरीकों पर व्यंग्य किया है? क्या आप उनके विचार से सहमत हैं?

In this lesson, what methods of education has the author satirized? Do you agree with his view?

Ans. मैं लेखक के शिक्षा पर किए व्यंग पर पूरी तरह सहमत हूँ । ने समूची शिक्षा के तौर तरीकों पर व्यंग्य करते हुए कहा है कि ये शिक्षा अंग्रेजी बोलने ,पढ़ने पर जोर देती है चाहे किसी को अंग्रेजी पढ़ने में रूचि है या नहीं। अपने देश के इतिहास के साथ साथ दूसरे देशों के इतिहास को भी पढ़ना पढ़ता है जो बिलकुल भी जरुरी नहीं है। यहाँ पर रटने वाली प्रणाली पर जोर दिया जाता है। बच्चों को कोई विषय समझ में आये या ना आये रट कर परीक्षा में पास हो ही जाते हैं। छोटे -छोटे विषयों पर लम्बे -लम्बे निबंध लिखने होते हैं। ऐसी शिक्षा प्रणाली जो लाभदायक कम और बोझ ज्यादा लगे ठीक नहीं है।

एक दिन जब गुल्ली-डंडा खेलने के बाद छोटा भाई बड़े भाई साहब के सामने पहुँचा तो उन्होंने रौद्र रूप धारण कर पूछा, "कहाँ थे? लेखक को मौन देखकर उन्होंने लताड़ते हुए घमंड पैदा होने तथा आगामी परीक्षा में फेल होने का भय दिखाया।

Brainbox learn easy

3. बड़े भाई साहब के अनुसार जीवन की समझ कैसे आती है ?

How does one understand life according to elder brother?

Ans. बड़े भाई साहब के अनुसार जीवन की समझ केवल किताबी ज्ञान से नहीं आती। जोकि जीवन के अनुभवों से आती है। उनके अनुसार पुस्तकीय ज्ञान से हर कक्षा पास करके अगली कक्षा में प्रवेश मिलता है, लेकिन यह पुस्तकीय ज्ञान अनुभव में उतारे बिना अधूरा है। इसके लिए उन्होंने अपनी अम्मा ,दादा और हेडमास्टर की माँ के उदाहरण भी दिए है। उनका कहना है कि हम इतने पढ़े होने के बाद भी अगर बीमार भी पड़ जाते है तो परेशान हो जाते हैं लेकिन हमारे माँ दादा बिना पढ़े भी हर मुसीबत का सामना बड़ी आसानी से करते है इसमें केवल इतना ही फर्क है कि उनके पास हमसे ज्यादा जीवन का अनुभव है। बड़े भाई के अनुसार अनुभव ही समझ दिलाता है।

4. छोटे भाई के मन में बड़े भाई साहब के प्रति श्रद्धा क्यों उत्पन्न हुई?

Why did the younger brother have faith in the elder brother?

Ans बड़े भाई साहब छोटे भाई को- खेलकूद में समय न गॅवाकर पढ़ने की सलाह देते थे, अभिमान न करने की सीख देते थे, अपनी बात मानने की सलाह देते थे।वे बड़ा होने के कारण ऐसा करना अपना कर्तव्य समझते थे।
परीक्षा में दूसरी बार भी पास होने पर छोटा भाई पढ़ाई लिखाई से दूर हो गया। एक दिन जब वह एक पतंग के पीछे दौड़ रहा था तो बड़े भाई साहब ने उसे पकड़ लिया। उन्होंने उसे बुरी तरह डांटा। बड़े भाई साहब ने उसे बताया कि केवल किताबी ज्ञान पर लेने से कोई महान नहीं बन जाता बल्कि जीवन की समझ अनुभव से आती है। बड़े भाई साहब छोटे भाई को बड़े ही सुंदर ढंग से समझाते हैं कि पढ़ लिख कर पास होना और जीवन की समझ होना दोनों अलग-अलग बातें हैं। परीक्षा में केवल पास होना ही बड़ी बात नहीं है अभी तो अच्छे बुरे समय में अपने आप को उसके अनुसार ढाल लेना बड़ी बात है। बड़े भाई साहब उसे अपनी माता दादा और हेडमास्टर साहब का उदाहरण देकर समझाते हैं कि जीवन में अनुभव की अधिक आवश्यकता है और उनके पास उससे कहीं ज्यादा अनुभव है। बड़े भाई साहब की ऐसी ज्ञान वाली बातों को सुनकर छोटे भाई के मन में उनके प्रति श्रद्धा उत्पन्न हो गई थी ।

5. बड़े भाई साहब की स्वभावगत विशेषताएँ बताइए।

State the characteristics of elder brother.

Ans बड़े भाई की स्वभावगत विशेषताएँ निम्न थी – बड़े भाई साहब परिश्रमी विद्यार्थी थे। एक ही कक्षा में तीन बार फेल हो जाने के बाद भी पढाई से उन्होंने अपना नाता नहीं तोड़ा। वे गंभीर तथा संयमी किस्म का व्यक्तित्व रखते थे अर्थात् हर समय अपने छोटे भाई के सामने आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करने के लिए खेल-कूद से दूर और अध्ययनशील बने रहते थे। बड़े भाई साहब कुशल वक्ता थे वे छोटे भाई को अनेकों उदाहारणों द्वारा जीवन जीने की समझ दिया करते थे। बड़ों के लिए उनके मन में बड़ा सम्मान था पैसों की फिजूलखर्ची को उचित नहीं समझते थे। छोटे भाई को अकसर वे माता-पिता के पैसों को पढ़ाई के अलावा खेल-कूद में गँवाने पर डाँट लगाते थे।

6. बड़े भाई साहब ने जिंदगी के अनुभव और किताबी ज्ञान में से किसे और क्यों महत्वपूर्ण कहा है?

Out of life's experience and bookish knowledge, which one has been called important and why?

Ans बड़े भाई साहब जिंदगी के अनुभव को किताबी ज्ञान से अधिक महत्त्वपूर्ण समझते थे। उनके अनुसार किताबी ज्ञान तो कोई भी प्राप्त कर सकता है परन्तु असल ज्ञान तो अनुभवों से प्राप्त होता है कि हमने कितने जीवन मूल्यों को समझा, जीवन की सार्थकता, जीवन का उद्देश्य, सामाजिक कर्तव्य के प्रति जागरूकता की समझ को हासिल किया। अत: हमारा अनुभव जितना विशाल होगा उतना ही हमारा जीवन सुन्दर और सरल होगा।

7. बताइये पाठ के किन अंशों से पता चलता है कि -:

State which passages of the text show that -:

a. छोटा भाई बड़े भाई का आदर करता था।

The younger brother respected the elder brother.

Ans छोटा भाई अपने बड़े भाई की डांट को चुपचाप सहन करता है। दूसरी बार भी बड़े भाई साहब के फेल होने पर जब छोटा भाई परीक्षा में पास हो जाता है तो वह खेल कूद में अधिक ध्यान लगाने लगता है । तभी वह बड़े भाई साहब से छिपकर पतंगबाजी करता है। इससे पता चलता है कि छोटा भाई अपने भाई साहब का आदर करता है।

b. भाई साहब को जिंदगी का अच्छा अनुभव है।

Brother has good experience of life.

Ans भाई साहब का अपने कर्तव्यों के लिए अपनी इच्छाओं को दबाना ,छोटे भाई को जीवन के अनुभव पर उदाहरण देना ये सब दर्शाता है कि भाई साहब को जिंदगी का अच्छा अनुभव है।

c. भाई साहब के भीतर भी एक बच्चा है।

There is also a child inside brother.

Ans पाठ के आख़िर में जब भाई साहब एक पतंग की डोर को उछालकर पकड़ लेते हैं हैं और हॉस्टल की ओर बढ़ते हैं तो उन के इस व्यवहार से पता चलता है कि बड़े भाई साहब के भीतर भी एक बच्चा है।

d. भाई साहब छोटे भाई का भला चाहते हैं।

Brother wants the best for the younger brother.

Ans छोटे भाई साहब को समय-समय पर पढ़ने लिखने की ओर ध्यान लगाने के लिए कहते हैं। वह उसे समझाते हुए कहते हैं कि वह उसे किसी भी हाल में गलत रास्ते पर चलने नहीं देंगे। भाई साहब स्वयं एक आदर्श बन कर लेखक को जीवन में परिश्रम करने की शिक्षा देते हैं। उनकी डांट के पीछे भी उनका उद्देश्य लेखक का भला जाना है। इससे पता चलता है कि बड़े भाई साहब छोटे भाई साहब का बना चाहते हैं।

Brainbox Learn Easy

(ग) निम्नलिखित के आशय स्पष्ट कीजिए-

Explain the meaning of the following:

1. इम्तिहान पास कर लेना कोई चीज नहीं, असल चीज़ है बुद्धि का विकास।

Passing the exam is not a thing, the real thing is the development of the intellect.

Ans प्रस्तुत पंक्ति बड़े भाई साहब का कथन है। वह अपने छोटे भाई को समझाते हुए कहते हैं कि परीक्षा में पास होना कोई बड़ी बात नहीं है। बड़ी बात तो बुद्धि का विकास करना है। यदि कोई व्यक्ति अनेक परीक्षाएं पास कर ले किंतु उसे अच्छे बुरे में अंतर करना ना आए तो उसकी पढ़ाई व्यर्थ है। पुस्तकों को पढ़कर उसके ज्ञान से अपनी बुद्धि का विकास करना ही असली विद्या है।

2. फिर भी जैसे मौत और विपत्ति के बीच भी आदमी मोह और माया के बंधन में जकड़ा रहता है, मैं फटकार और घुडकियाँ खाकर भी खेल-कूद का तिरस्कार न कर सकता था।

Still, as a man in the midst of death and calamity is bound by attachment and illusion, I could not despise sports even after being reprimanded and scolded.

Ans इस पंक्ति का आशय यह है कि जिस प्रकार मनुष्य किसी भी परिस्थिति में अपनी मोह-माया को त्याग नहीं सकता ठीक उसी प्रकार छोटा भाई भी अपने खेल-कूद का त्याग नहीं कर पा रहा था। जब आदमी की मौत आती है तब भी वह मोह और माया के बंधन में जकड़ा ही रहता है। चाहे कितनी भी लोग उसे समझाए वो फिर समझता नही ओर आखिर उसकी फिर सब कुछ त्यागना ही पड़ता है । लेखक के साथ भी ऐसा ही होता है जब वो विपत्ति में होते है तो किसी प्रकार के माया में उलझ के रह जाते है ।फिर उन्हे खेल का तिरस्कार करने के अलावा कोई मार्ग न था।

3. बुनियाद ही पुख्ता न हो, तो मकान कैसे पायेदार बने ?

If the foundation itself is not solid, then how can the house become profitable?

Ans इसका यह अर्थ है कि जैसे हम मकान बनाते है तब अगर ईंट की बनावट मजबूत न हो तो मकान खड़ा नहीं सकता है। इस पंक्ति का आशय यह है कि हम जिस प्रकार मकान को मजबूती प्रदान करने के लिए उसकी नींव को मजबूत बनाते है ठीक उसी प्रकार मनुष्य के जीवन को सफल बनाने के लिए शिक्षा रूपी नींव की मजबूती अति आवश्यक है।

Brainbox Learn easy

4. आँखें आसमान की ओर थीं और मन उस आकाशगामी पथिक की ओर, जो बंद राति से आ रहा था, मानो कोई आत्मा स्वर्ग से निकलकर विरक्त मन से नए संस्करण ग्रहण करने जा रही हो।

The eyes were towards the sky and the mind towards the celestial wanderer who was coming from the closed night, as if a soul was going out of heaven to receive new versions from a detached mind.

Ans लेखक पतंग लूटने के लिए आकाश की ओर देखता हुआ दौड़ा जा रहा था।।लेखक कहता है कि एक दिन वह एक कटी हुई पतंग को लूटने के लिए उसके पीछे दौड़ा था। उस समय उसकी आँखें आसमान की ओर थी और उसका मन उस कटी हुई पतंग की ओर लगा हुआ था। पतंग धीरे-धीरे हवा में लहराती हुई नीचे की ओर गिरने को थी। उस समय वह पतंग ऐसी प्रतीत हो रही थी जैसे कोई पवित्र व शांत आत्मा स्वर्ग से निकल कर विरक्त मन से धरती पर नया जन्म लेने के लिए उतर रही हो।

Brainbox learn easy